VISION IAS
INSPIRING INNOVATION

MAINS 365

स्मरणीय तथ्य

अर्थव्यवस्था

अहमदाबाद | बेंगलूरु | भोपाल | चंडीगढ़ | दिल्ली | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | राँची

GS मेन्स एडवांस कोर्स 2024
यह कोर्स मूलभूत अवधारणाओं की समझ रखने वाले अभ्यर्थियों के लिए डिजाइन किया गया है। इसके तहत अभ्यर्थियों को जटिल टॉपिक्स तथा उन्हें आपस में जोड़ कर पढ़ने और समझ विकसित करने में उनकी मदद की जाएगी। साथ ही, मुख्य परीक्षा में आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए उनकी विश्लेषणात्मक क्षमता में सुधार किया जाएगा।
अवधारणात्मक रूप से कठिन टॉपिक्स को कवर किया जाएगा
मेन्स 2024 हेतु आवश्यक विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण पर बल दिया जाएगा
कॉम्प्रिहेंसिव स्टडी मटेरियल उपलब्ध करवाया जाएगा (सॉफ्ट कॉपी)
सेक्शनल मिनी टेस्ट का आयोजन किया जाएगा
कोर्स की अवधि: 7 सप्ताह, प्रति सप्ताह 6–7 कक्षाएं (जरूरत पड़ने पर रविवार को भी कक्षाएं आयोजित की जा सकती हैं)
Scan the QR CODE to download VISION IAS app
प्रारंभ: 28 जून | दोपहर 1 बजे
लाइव/ऑनलाइन कक्षाएं भी उपलब्ध

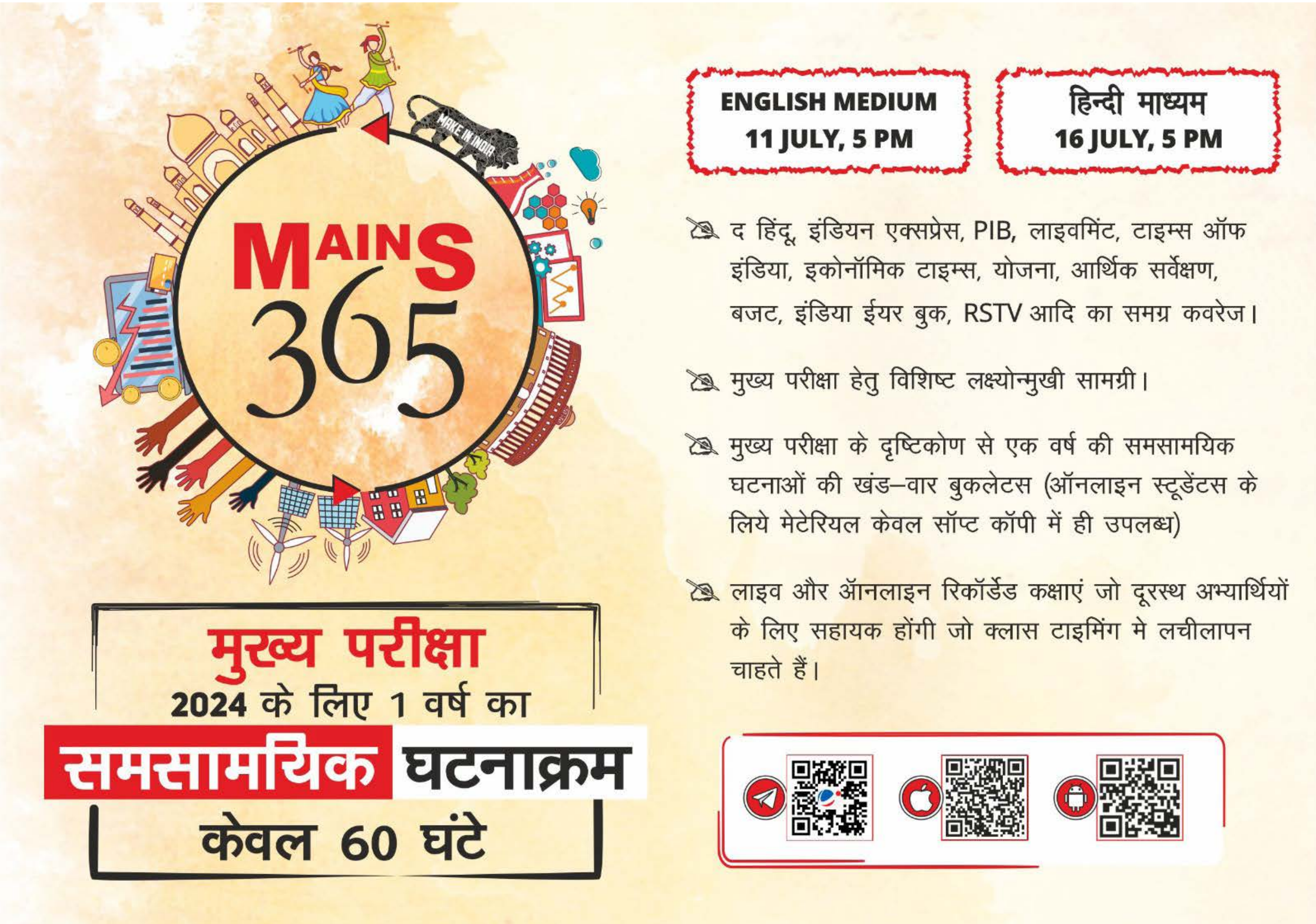
MAINS 365
ENGLISH MEDIUM
11 JULY, 5 PM
हिन्दी माध्यम
16 JULY, 5 PM
द हिंदू, इंडियन एक्सप्रेस, PIB, लाइवमिंट, टाइम्स ऑफ इंडिया, इकोनॉमिक टाइम्स, योजना, आर्थिक सर्वेक्षण, बजट, इंडिया ईयर बुक, RSTV आदि का समग्र कवरेज।
मुख्य परीक्षा हेतु विशिष्ट लक्ष्योन्मुखी सामग्री।
मुख्य परीक्षा के दृष्टिकोण से एक वर्ष की समसामयिक घटनाओं की खंड–वार बुकलेटस (ऑनलाइन स्टूडेंटस के लिये मेटेरियल केवल सॉफ्ट कॉपी में ही उपलब्ध)
लाइव और ऑनलाइन रिकॉर्डेड कक्षाएं जो दूरस्थ अभ्यार्थियों के लिए सहायक होंगी जो क्लास टाइमिंग मे लचीलापन चाहते हैं।
मुख्य परीक्षा
2024 के लिए 1 वर्ष का
समसामयिक घटनाक्रम
केवल 60 घंटे

विषय सूची

1. भारतीय अर्थव्यवस्था का एक संक्षिप्त विवरण 4
2. रोजगार, श्रम और कौशल विकास 4
3. संवृद्धि और विकास 4
4. राजकोषीय नीति 6
5. बैंकिंग, भुगतान प्रणाली एवं वित्त बाजार 7
6. बाह्य क्षेत्रक. 8
7. कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां. 9
8. उद्योग एवं औद्योगिक नीति 11
9. सेवा क्षेत्रक. 11
10. अवसंरचना. 12
11. खनन एवं ऊर्जा 13
12. नवाचार एवं उद्यमशीलता 14

प्रिय अभ्यर्थियों,

UPSC मुख्य परीक्षा के प्रतिस्पर्धी माहौल में आपके **उत्तरों में डेटा, तथ्यों और उदाहरणों को शामिल करने के महत्त्व को कम करके नहीं आंका** जा सकता है।

ये तत्व एक आकर्षक और प्रेरक अनुक्रिया के आधार के रूप में काम करते हैं, **जो आपके उत्तर को एक सामान्य लेखन से एक बेहतर तरीके से प्रमाणित तर्क की ओर ले जाते हैं।**

आपकी सहायता के लिए, हमने **VisionIAS मेन्स 365 पठन सामग्री से सार रूप में डेटा, तथ्यों और उदाहरणों का संकलन तैयार किया है।** जैसा कि आप सभी को पता है VisionIAS मेन्स 365 पठन सामग्री करंट अफेयर्स के व्यापक कवरेज के लिए प्रसिद्ध है। यह दस्तावेज़ उच्च-गुणवत्ता वाले डेटा, तथ्यों और उदाहरणों का एक केंद्रित स्रोत प्रदान करता है।

इस दस्तावेज़ का लेआउट आपके **उत्तर में क्विक रेफ़्रेन्स और तथ्यों आदि के आसान समेकन के लिए डिज़ाइन** किया गया है।

इस सार रूपी जानकारी का लाभ उठाने से **आपको अधिक अंक प्राप्त करने के लिए जरूरी व्यापक, सूचनात्मक और आकर्षक उत्तर तैयार करने** में मदद मिलेगी।

मेन्स 365 डाक्यूमेंट्स को डाउनलोड करने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन कीजिए

स्मार्ट क्वालिटी कंटेंट को प्राप्त करने के लिए दिए गए QR कोड को स्कैन कीजिए

भारतीय अर्थव्यवस्था का एक संक्षिप्त विवरण

भारतीय अर्थव्यवस्था: एक नज़र में

- **राष्ट्रीय GDP:** 2023-24 में चालू कीमतों पर GDP **293.9 लाख करोड़ रुपये** जबकि वास्तविक GDP (स्थिर मूल्यों पर) 172.90 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है।
- **विदेशी व्यापार:** भारत ने 2023-24 में **778 बिलियन यू.एस. डॉलर** का रिकॉर्ड निर्यात दर्ज किया और 2023-24 में कुल आयात घटकर 853.8 बिलियन यू.एस. डॉलर रह गया।
- **बेरोजगारी:** बेरोजगारी दर 2021-22 में 4.1% थी, जो घटकर **2022-23 में 3.2%** हो गई।
- **ऋण:** वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सार्वजनिक **ऋण-GDP अनुपात 81.6%** अनुमानित है।
- **गरीबी:** 2015-16 में 25% गरीबी थी, जो घटकर 2019-21 में 15% हो गई और इस अवधि के दौरान लगभग 135 मिलियन लोग गरीबी से बाहर निकल गए।

रोजगार, श्रम और कौशल विकास

रोजगार

- **कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत में बेरोजगारी दर 3.1%** थी (PLFS 2023)। इसमें शहरी बेरोजगारी दर (5.2%) ग्रामीण बेरोजगारी दर (2.4%) थी।
- **महिलाओं की श्रम बल भागीदारी दर 41%** थी (PLFS 2023)।
- **ILO की एक रिपोर्ट** के अनुसार, भारत में **हर तीन बेरोजगार व्यक्तियों में एक युवा शामिल है।**
- भारत में **महिलाओं** के लिए **औसत से कम रोजगार अनुपात** है (विश्व बैंक की "साउथ एशिया डेवलपमेंट अपडेट जॉब्स फॉर रेजिलिएंस" रिपोर्ट)।
- **कुछ उद्योगों में रोजगार की मौसमी प्रकृति:** वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल कार्यबल का लगभग 45.76% कृषि (मौसमी रोजगार) और सहायक क्षेत्रकों में लगा हुआ था।

कौशल विकास

- यू.एस.ए. के 52% और साउथ कोरिया के 96% के मुकाबले **भारत में केवल 5% कार्यबल ही औपचारिक रूप से कुशल है।**
- भारत **वर्ष 2018 से वर्ष 2055 तक चलने वाले 37 वर्षीय जनसांख्यिकीय लाभांश चरण में प्रवेश** कर गया है।
- **भारत कौशल रिपोर्ट, 2023** के अनुसार शिक्षित लोगों की **नियोजनीयता दर 50.3%** है। यह अभी भी कम है।
- **आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) ने नौकरियों की गुणवत्ता में गिरावट** को उजागर किया है।

संवृद्धि और विकास

आर्थिक संकेतक

- अप्रैल-जून के दौरान भारत की **वास्तविक GDP 7.8 प्रतिशत की दर** से बढ़ी है। यह आंकड़ा पिछली चार तिमाहियों में सर्वाधिक है।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में GFCF 2014-15 के 32.78 लाख करोड़ रुपए (2011-12 की स्थिर कीमतों पर) से बढ़कर 2022-23 में **54.35 लाख करोड़ रुपए (अनंतिम अनुमान)** हो गया।

- भारत की सकल बचत दर 2022-23 में सकल राष्ट्रीय प्रयोज्य आय (GNDI) का 29.7% रही, जिसमें कुल बचत में परिवारों का योगदान 60.9% रहा।
- **निवल वित्तीय बचत 2013-22 के दौरान GDP के औसत 8% से घटकर 2022-23 के दौरान GDP का 5.3% रह गई।**
- भारत का घरेलू ऋण GDP का 40.1% है, भारत में घरेलू ऋण का स्तर अन्य उभरती बाजार आधारित अर्थव्यवस्थाओं (EME) की तुलना में अपेक्षाकृत कम है।
- भारत का घरेलू **ऋण-GDP अनुपात** दुनिया में सबसे कम है। इसी प्रकार, भारत का ऋण सेवा अनुपात (DSR) भी दुनिया में सबसे कम है, जो मार्च 2023 के अंत तक लगभग 6.7% रही।
- **समग्र रुझान (Trend):** औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (MPCE) में **1999-2000 से बढ़ोतरी** जारी है।

मानव विकास

- भारत की HDI रैंकिंग में सुधार हुआ है। 2021 में भारत 135वें स्थान पर था, जो सुधरकर 2022 में 134वां हो गया।
- **जन्म के समय जीवन प्रत्याशा:** 2021 के 67.2 वर्ष से बढ़कर 2022 में 67.7 वर्ष हो गई।
- **स्कूली शिक्षा के प्रत्याशित वर्ष:** 2021 के 11.9 वर्ष से बढ़कर 2022 में 12.6 वर्ष हो गए।
- **स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष:** यह 2022 में बढ़कर 6.57 वर्ष हो गए हैं।
- **प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय:** 2021 की तुलना में 2022 में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में बढ़ोतरी हुई है, जो 6,542 डॉलर से बढ़कर 6,951 डॉलर हो गई।
- **लैंगिक असमानता सूचकांक में** 2022 में भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है। भारत 2022 में **108वें स्थान पर** पहुंच गया, जबकि 2021 में **122वें स्थान** पर था।

शहरी गरीबी

- **2021 में** भारत में **230 मिलियन से अधिक लोग बहुआयामी गरीबी से जूझ रहे थे।**
- **17% शहरी** परिवार (संख्या में 13.75 मिलियन) **मलिन बस्तियों** में रहते हैं {पूर्व आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय (जिसे अब आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के नाम से जाना जाता है) के अनुसार}।
- **निरंतर प्रवास संबंधी दबाव के साथ शहरी पुल फैक्टर** और **ग्रामीण पुश फैक्टर** के कारण वर्ष 2030 तक शहरी आबादी 590 मिलियन से अधिक हो जाएगी।

वित्तीय समावेशन

- 2020 में प्रति 1 लाख वयस्क आबादी पर **14.7 बैंक शाखाएं** थीं। यह अनुपात जर्मनी, चीन और साउथ अफ्रीका से अधिक है।
- **भारत में 50 करोड़ से अधिक प्रधान मंत्री जन-धन योजना (PMJDY)** खाते हैं। इनमें से 55% खाते महिलाओं के नाम पर हैं।
- हाशिए पर स्थित **50% आबादी के पास संपत्ति का केवल 2%** और आय का मात्र 8% है **(विश्व आसमानता रिपोर्ट, 2022)।**
- 2021 में, **49% भारतीय वयस्क पुरुषों** की तुलना में केवल **26% महिलाओं के पास** स्मार्टफोन थे। इससे लैंगिक असमानता का पता चलता है।
- विश्व बैंक के अनुसार, फिक्स्ड ब्रॉडबैंड तक पहुंच में 10 प्रतिशत की वृद्धि से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की GDP दर में 1.38% की वृद्धि होगी।

शहरी नियोजन

- भारत में **वर्तमान में 35%** शहरी आबादी मौजूद है, जिसके **2047 तक 53% तक पहुँचने** की उम्मीद है।
- 2011 की जनगणना के अनुसार, **भारत की 40% शहरी आबादी** टियर-2 और टियर-3 शहरों में रहती है। इसके बहुत तेज गति से बढ़ने का अनुमान है।
- स्मार्ट सिटी मिशन के तहत, अब तक **केवल 28 शहरों को राज्यों/ शहरी स्थानीय निकायों से अपने हिस्से का 100% धन प्राप्त हुआ** है।
- दिसंबर, 2023 तक स्मार्ट शहरों द्वारा शुरू की गई 7,970 परियोजनाओं में से 6,419 परियोजनाएं पूरी हो चुकी थीं। **मदुरै एकमात्र स्मार्ट शहर है जिसने अपनी 100% परियोजनाएं पूरी कर ली** है।

आवासन

- **जून, 2024** में प्रधान मंत्री आवास योजना (PMAY) के तहत **ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 3 करोड़ अतिरिक्त आवास** उपलब्ध कराए जाने की घोषणा की गई।
- PMAY (U) के तहत करीब **1 करोड़ घरों की नींव डाली गई है और 75 लाख घर बन चुके हैं।**
- जून, 2024 तक PMAY (R) के तहत **करीब 2 करोड़ घरों** को मंजूरी दी गई है और **2.62 करोड़ घर बन कर तैयार हो चुके हैं।**
- **लगभग 4.12 लाख ऐसे घर (NCR में 44%)** हैं, जो डेवलपर्स की खराब वित्तीय स्थिति के कारण पूरा नहीं हो रहे हैं।
- **बनाए गए घरों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव:** दिसंबर, 2022 तक बुनियादी सुविधाओं के अभाव के चलते लगभग 5.62 लाख आवास इसके लाभार्थियों को आवंटित नहीं किए जा सके।

भू-अभिलेखों का आधुनिकीकरण

- भारत में लगभग **95.09% गांवों में भूमि अभिलेखों (रिकॉर्ड ऑफ़ राइट्स) के डिजिटलीकरण का कार्य** पूरा कर लिया गया है।
- **70% भू-संपत्ति मानचित्रों (Cadastral maps) के डिजिटलीकरण** का कार्य पूरा हो चुका है।
- 2010-11 में **कृषि जोत का औसत आकार 1.15 हेक्टेयर** था।
- **भूमि का <10% हिस्सा गैर-कृषि उपयोगों** के लिए है।

राजकोषीय नीति

सरकारी वित्तपोषण

- **वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय घाटा GDP का 5.6% था।**
- **वित्त वर्ष 2023-24 में सार्वजनिक ऋण-GDP अनुपात 81.6% था।**
- **मार्च, 2023 के अंत में राज्यों का संयुक्त ऋण-GDP अनुपात 27.5% था।**
- नियंत्रण से बाहर होने वाले कर्ज से बचने के लिए **वित्त वर्ष 2025 तक 60% ऋण-GDP अनुपात (केंद्र सरकार का 40% और राज्यों का संयुक्त ऋण-GDP अनुपात 20%) था।**
- राज्यों का संयुक्त सकल राजकोषीय घाटा (GFD), जो महामारी से प्रभावित वर्ष में बढ़कर GDP का 4.1% हो गया था, वित्त वर्ष 2022 में घटकर 2.8% हो गया।
- निवल बाजार उधारी पर राज्यों की निर्भरता पहले काफी बढ़ गई थी। 2023-24 के बजट अनुमान के अनुसार **GFD घटकर 76%** रह गई है।

राजकोषीय घाटा

- महामारी के साल, वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा **सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के 9.2%** के स्तर पर पहुंच गया था।
- वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय घाटा कम होकर GDP के 5.6% के स्तर पर आ गया।
- सरकार का लक्ष्य 2025-26 तक **राजकोषीय घाटे के स्तर को GDP के 4.5% तक लाना** है।
- **राज्यों का संयुक्त सकल राजकोषीय घाटा (GFD),** जो महामारी से प्रभावित वर्ष में बढ़कर GDP का 4.1% हो गया था, वित्त वर्ष 2022 में **घटकर 2.8%** हो गया।

प्रत्यक्ष कराधान

- **वित्त वर्ष 2023-24 में कर-GDP अनुपात 11.6%** (प्रत्यक्ष करों के लिए 6.6% और अप्रत्यक्ष करों के लिए 5.0%) था।

- वित्त वर्ष 2023-24 में **19.58 लाख करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष कर राजस्व संग्रह** हुआ (अनंतिम)। यह वर्ष दर वर्ष 17.70% की वृद्धि दर्शाता है।
- **निगम कर और व्यक्तिगत आयकर** का प्रत्यक्ष कर में सर्वाधिक योगदान है।
- वित्त वर्ष 2021-22 में प्रत्यक्ष कर उछाल 2.52 रहा था, जो पिछले 15 वर्षों में सबसे अधिक था, लेकिन **2022-23 में यह घटकर 1.18** हो गया।

पूंजीगत व्यय

- सरकार ने 2024-25 में **11.11 लाख करोड़ रुपये (2023-24 की तुलना में 11.1% की वृद्धि)** पूंजीगत व्यय का बजट रखा है।
- **वित्त वर्ष 2012 और वित्त वर्ष 2022 के दौरान कुल पूंजीगत व्यय 13% की औसत दर** से बढ़ा है।
- **केंद्र का पूंजीगत व्यय** वित्त वर्ष 2009 में GDP के 1.7% के आस-पास था (वित्त वर्ष 2009 से वित्त वर्ष 20), जो बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में GDP का 3.4% हो गया।
- वित्त वर्ष 2023 में **कॉर्पोरेट क्षेत्रक द्वारा पूंजीगत व्यय में वृद्धि हुई है,** जो विद्युत, इस्पात, रसायन, ऑटो और फार्मास्यूटिकल्स क्षेत्रकों में भारी निवेश से प्रेरित थी।

बैंकिंग, भुगतान प्रणाली एवं वित्त बाजार

बैंकिंग

- **अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (SCBs) द्वारा ऋण प्रदान करने में 15.4% की वृद्धि हुई है (वित्त वर्ष 22-23)।**
- दिसंबर, 2022 के अंत में **SCBs का सकल NPA अनुपात 4.5% और निवल NPA 1.2% था।**
- सितंबर, 2022 में **SCBs का प्रोविजन कवरेज अनुपात 71.6% रहा।**
- SCBs के लिए संपत्ति पर वार्षिक रिटर्न (RoA) और इक्विटी पर रिटर्न (RoE) मार्च, 2016 से नकारात्मक रहने के बाद 2020 में **सकारात्मक हो गया।**

परिसंपत्ति गुणवत्ता और पुनर्गठन

- सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (GNPAs) **2022-23 में घटकर 3.9% पर आ गई।**
- क्षेत्रक आधारित हिस्सेदारी के मामले में **अवसंरचना क्षेत्रक सबसे अधिक NPAs के लिए उत्तरदायी है।**
- **इसमें PSBs का हिस्सा तुलनात्मक रूप से अधिक है,** अर्थात् NPA का लगभग 9/10वां हिस्सा PSBs का है।
- भारत **2008 के वैश्विक वित्तीय संकट से सबसे बुरी तरह प्रभावित अर्थव्यवस्थाओं में से एक था।**
- दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (IBC) के तहत समाधान के लिए 13,000 मामले लंबित हैं। समाधान में लगने वाला औसत समय 324 दिन से बढ़कर 653 दिन हो गया है। गौरतलब है कि समाधान के लिए निर्धारित समय **330 दिन** है।

भुगतान प्रणाली

- RBI के अनुसार, **भारत में सभी लेन-देन का लगभग 50% नकद में होता है।**
- भारत में मात्रा (वॉल्यूम) के मामले में **डिजिटल भुगतान के 50% हिस्से पर डेबिट कार्ड, UPI और IMPS का प्रभुत्व** है।
- भारत में मूल्य (वैल्यू) के मामले में **डिजिटल भुगतान के 53% हिस्से पर RTGS और NEFT का प्रभुत्व** है।
- **2019 में प्रति व्यक्ति डिजिटल लेन-देन 22.4** रहा। (वर्ष 2014 में यह 2.4 था)।
- सीमा-पार पेमेंट मार्केट की वैल्यू 2023 में 190 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है और 2030 तक 290 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है।

पूंजी बाजार

- इक्विटी बाजार में पिछले कुछ दशकों के दौरान **लगातार वृद्धि** दर्ज की गई है। भारत **चौथा सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट** है।
- **इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (IPO)** इश्यू के माध्यम एकत्रित की गई धनराशि भी पिछले एक दशक में पहले के किसी दशक की तुलना में सबसे अधिक रही है।

बाह्य क्षेत्रक

निर्यात क्षेत्रक

- **2023-24 में भारत का कुल निर्यात (वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर) 778.22 बिलियन अमेरिकी डॉलर** के बराबर था।
- **कुल वैश्विक निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 2.4% है। {चीन (12%) और USA (9%) }**
- भारत का निर्यात इसके **सकल घरेलू उत्पाद के 23% के बराबर है।**
- **भारत का सेवा क्षेत्रक इसके निर्यात का एक महत्वपूर्ण घटक है।**
- FTAs साझेदारों से भारत में **वस्तुओं के आयात** में लगभग 38% की वृद्धि हुई है, जबकि भारत का निर्यात केवल 14.5% बढ़ा है **{ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI)}।**

प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI)

- भारत में FDI 2021-22 में 84.83 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।
- जल्द ही FDI के 100 **बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की आशा है।**
- अप्रैल, 2000 से मार्च, 2024 तक भारत के सेवा क्षेत्रक मे 16.13% का उच्चतम FDI इक्विटी अंतर्वाह हुआ।
- **मॉरीशस, सिंगापुर, अमेरिका, नीदरलैंड और जापान** वित्त वर्ष 2023-24 में भारत में FDI अंतर्वाह के लिए शीर्ष 5 देश बनकर उभरे।
- 2023-2024 में, FDI अंतर्वाह 3.5% घटकर 44 बिलियन डॉलर रह गया, जो पाँच साल का निचला स्तर है।
- वित्त वर्ष 2022-23 में कुल FDI का 70% कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात जैसे तीन राज्यों तक सीमित था।

विकासशील देशों के ऊपर वैश्विक ऋण

- **वर्ष 2000 में विकासशील देशों पर वैश्विक सार्वजनिक ऋण 17 ट्रिलियन डॉलर था,** जो बढ़कर **2023 में 97 ट्रिलियन डॉलर के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच** गया।
- वैश्विक सार्वजनिक ऋण में विकासशील देशों की हिस्सेदारी 30% है।
- 54 विकासशील देशों को अपने कुल राजस्व का **10% या इससे अधिक हिस्सा ब्याज के भुगतान के लिए व्यय** करना पड़ता है।
- सार्वजनिक ऋण-GDP अनुपात का औसत स्तर 2020 में 60.4% के उच्चतम स्तर से घटकर 2023 में 54.7% हो गया।
- पिछले साल **भारत का GGD, सकल घरेलू उत्पाद का 80.9%** था।

कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां

कृषि ऋण

- कृषि ऋण में मोटे तौर पर प्रत्येक **1 प्रतिशत** की वृद्धि से कृषि GDP में **0.29 प्रतिशत** की वृद्धि होती है।
- लघु और सीमांत किसानों के पास खेती योग्य 86% भूमि है, जबकि ऐसे किसानों में से केवल 41% को ही बैंकों द्वारा कवर किया जा सका है।
- **वर्तमान में देश भर में 65,000 से अधिक पैक्स चालू अवस्था में हैं।** देश में सभी संस्थाओं (बैंकों आदि) द्वारा दिए गए KCC ऋणों में **पैक्स का हिस्सा 41%** है।

कृषि का मशीनीकरण

- नाबार्ड की एक रिपोर्ट (2018) के अनुसार, यू.एस.ए. (95%), ब्राजील (75%) और चीन (57%) की तुलना में **भारत में कृषि मशीनीकरण का स्तर मात्र 40-45%** है।
- भारत का **कृषि उपकरण बाजार वैश्विक बाजार का केवल 7%** है। भारत में कृषि उपकरणों की बिक्री से आए पैसे में **80 प्रतिशत से अधिक ट्रैक्टर** का योगदान है।
- **गैर-ट्रैक्टर कृषि मशीनरी** के निर्यात में भारत का **व्यापार अधिशेष (Trade surplus) बहुत कम** है।
- भारत **निम्न श्रेणी के उपकरणों के निर्यात या इनके आयात** पर निर्भर है।

उर्वरक क्षेत्रक

- भारत दुनिया का **तीसरा सबसे बड़ा उर्वरक उत्पादक** देश है। चीन के बाद भारत **उर्वरकों का उपभोग** करने वाला **दूसरा सबसे बड़ा** देश है (2022)।
- **भारत में** यूरिया का **सबसे ज्यादा उत्पादन (86%) सबसे ज्यादा खपत (74% शेयर) और सबसे ज्यादा आयात (52%)** किया जाता है।
- ऐसी संभावना है कि **भारतीय उर्वरक बाजार** 2022-2027 के दौरान **11.9% के CAGR** बढ़ेगा।

किसानों को वित्तीय सहायता

- **11 करोड़ से अधिक किसानों** को पीएम किसान योजना के तहत लगभग **2.81 लाख करोड़ रुपये** का वित्तीय लाभ दिया गया है (फरवरी, 2024 तक)।
- **सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 2-2.5% सालाना सब्सिडी** के रूप में प्रदान किया जाता है। यह सब्सिडी उर्वरक, ऋण, फसल बीमा और मूल्य समर्थन सब्सिडी के रूप में होती है।
- कुल कृषि आय का लगभग 20% भाग **सब्सिडी के रूप में** आता है।
- कृषि में लगे **50.2%** परिवार **किसी-न-किसी तरह के कर्ज** में हैं।
- किसानों द्वारा लिए गए **लगभग 60% ऋण संस्थागत स्रोतों से** थे (NSSO रिपोर्ट)।
- 2023-24 में PMFBY के तहत रिकॉर्ड संख्या में **4 करोड़ से अधिक किसानों ने रजिस्ट्रेशन** कराया है।

कृषि से जुड़े क्षेत्रक

- 2014-15 से 2021-22 के दौरान पशुधन क्षेत्रक का CAGR **13.36% था।** पशुधन क्षेत्रक 2020-21 में कुल कृषि GVA का **30.19%** (स्थिर कीमतों पर) था।
- वैश्विक दुग्ध उत्पादन का **25%** उत्पादन भारत में होता है। यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में **5%** का योगदान देता है। साथ ही, यह सीधे **8 करोड़ से अधिक** किसानों को रोजगार भी देता है (2024)।
- भारत के कुल निर्यात में **37%** योगदान बागवानी क्षेत्रक द्वारा किया जाता है (2019)।
- भारत विश्व में तीसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक, दूसरा सबसे बड़ा जलीय कृषि उत्पादक, और चौथा सबसे बड़ा सी फूड निर्यातक देश है।
- **पिछले 9 वर्षों में** अंतर्देशीय मछली उत्पादन **दोगुना होकर 131 लाख टन हो गया** है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक

- यह एक **सनराइज सेक्टर** है। इसका **चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) 7.26% (वित्त वर्ष 2014 - वित्त वर्ष 2022) है। इसका योगदान** वर्ष 2021-22 में देश में **कुल GVA का 1.8%** था।
- इस क्षेत्रक में **20.05 लाख कर्मचारी** कार्य कर रहे हैं। यह संख्या **देश में पंजीकृत विनिर्माण क्षेत्रक में लगे व्यक्तियों की कुल संख्या का सबसे बड़ा हिस्सा (12.2%)** है।
- देश भर में स्वीकृत 41 में से **24 मेगा फूड पार्क परिचालन में हैं।**
- **कृषि-निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात की हिस्सेदारी 2022-23 में बढ़कर 25.6% हो गई।**

कृषि निर्यात

- 2023-24 के दौरान भारत के **कृषि निर्यात और आयात में 8 प्रतिशत की गिरावट** दर्ज की गई।
- 1991 में आर्थिक सुधार लागू होने के बाद से भारत **कृषि उत्पादों का निवल निर्यातक** रहा है।
- 2023 में **वैश्विक कृषि व्यापार में भारत के कृषि निर्यात की हिस्सेदारी 2.4%** थी।
- 2021-22 में भारत के **कुल व्यापारिक निर्यात में कृषि निर्यात की हिस्सेदारी 11.9%** थी।

कृषि अनुसंधान

- कृषि अनुसंधान में निवेश किए गए **प्रत्येक 1 रुपए** से लगभग **13.85 रुपए का लाभ** मिलता है।
- निरंतर प्रौद्योगिकी सहायता से 2014 से 2023 के दौरान अनाज की **औसत उत्पादकता** में 20.2%, दालों में 21.6% और मसालों में 30.4% की **वृद्धि हुई** है।
- 2020-21 में, भारत ने **अपने कुल कृषि सकल घरेलू उत्पाद का 0.7% विस्तार सेवाओं (Extention Services) पर खर्च** किया था।

उद्योग एवं औद्योगिक नीति

औद्योगिक नीति

- सकल घरेलू उत्पाद में **विनिर्माण क्षेत्रक का योगदान लगभग 17% है। यह वर्ष 1991 से लगभग स्थिर** बना हुआ है।
- हाल ही में, कई अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित सूचकांकों जैसे कि **वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता सूचकांक, लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक और वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत की रैंकिंग में सुधार** हुआ है।
- **9 भारतीय कंपनियां 2022 की फॉर्च्यून 500 सूची में शामिल थीं।**
- सरकार ने **11 औद्योगिक गलियारों** के विकास को मंजूरी दी है। इनमें **32 परियोजनाएं** शामिल हैं, जिन्हें **चार चरणों** में पूरा किया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रक

- भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रक **देश की GDP में लगभग 3.4% का योगदान** देता है।
- **इलेक्ट्रॉनिक्स में भारत का घरेलू उत्पादन** वर्ष 2014-15 के 29 बिलियन से बढ़कर वर्ष 2021-22 में 87 बिलियन डॉलर हो गया है।
- भारत के **उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार का आकार** 2022 में 73.7 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।
- **भारत की इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का निर्यात** 2013-14 से 2022-23 के बीच **लगभग 88% बढ़ा है।**
- **संयुक्त राज्य अमेरिका भारत की इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं का सबसे बड़ा आयातक** देश है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात, चीन, नीदरलैंड और जर्मनी का स्थान है।
- भारत का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026 तक **इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक और इसके निर्यात को 120 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंचाना है।

सेवा क्षेत्रक

ई-कॉमर्स क्षेत्रक

- भारत वैश्विक स्तर पर **8वां सबसे बड़ा ई-कॉमर्स बाजार है।**
- यह एक **सनराइज़ क्षेत्रक** है। भारत के खुदरा बाजार में इसकी हिस्सेदारी लगभग 10-15% है।
- इस उद्योग ने 2021 में **55.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का उत्पादन किया था। इसके **2030** तक **350 बिलियन अमेरिकी डॉलर** तक पहुंचने की उम्मीद है।
- यह 2020 में **140 मिलियन** खरीदारों के साथ **तीसरा सबसे बड़ा ऑनलाइन शॉपर बेस बन गया।**
- इंटरनेट और स्मार्टफोन की बढ़ती पैठ के कारण मासिक (मुख्य रूप से टियर- II शहरों से) आधार पर **10 मिलियन** इंटरनेट उपयोगकर्ता जुड़ जाते हैं।

दूरसंचार क्षेत्रक

- भारत दुनिया का **दूसरा सबसे बड़ा दूरसंचार क्षेत्रक** है।
- शहरी-ग्रामीण भारत के संदर्भ में, लगभग 66 करोड़ कनेक्शन शहरी भारत में और 53 करोड़ ग्रामीण भारत में हैं (ग्रामीण टेली-घनत्व 59%)।
- भारत में **वैश्विक स्तर पर इंटरनेट ग्राहकों की दूसरी सबसे बड़ी संख्या** है।
- यह FDI अन्तर्वाह के मामले में सबसे बड़े क्षेत्रकों में से एक है, जो कुल FDI अन्तर्वाह का लगभग 6% प्राप्त करता है।
- यह क्षेत्र **प्रत्यक्ष रूप से 2.2 मिलियन रोजगार और अप्रत्यक्ष रूप से 1.8 मिलियन नौकरियों में योगदान** देता है।

पर्यटन क्षेत्रक

- WEF के **ग्लोबल ट्रैवल एंड टूरिज्म डेवलपमेंट इंडेक्स 2024** में 117 देशों में से **भारत को 39वीं रैंक** मिली है।
- नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (NCAER) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में पर्यटन की स्थिति **वर्ष 2026 से पहले महामारी-पूर्व के स्तर तक नहीं पहुंच सकेगी।**
- 2019-20 में, इस क्षेत्रक ने देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 5.19% का योगदान दिया था।
- पर्यटन क्षेत्रक 2019 तक देश के लिए विदेशी मुद्रा का तीसरा सबसे बड़ा अर्जक क्षेत्र रहा है।
- **ग्लोबल वेलनेस टूरिज्म के अनुसार,** भारत वेलनेस टूरिज्म में 56 मिलियन यात्राओं के साथ 7वें स्थान पर है।

बीमा क्षेत्रक

- **भारत में हेल्थ प्रोटेक्शन गैप 73% है।**
- **2023 में बीमित किसानों की संख्या 6.1 करोड़ से घटकर 5.2 करोड़ हो गई।**
- **वित्त वर्ष 2021 में कुल बीमा सघनता 91 डॉलर के बराबर थी।**
- **वैश्विक स्तर पर भारत 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार है।**
- **वित्त वर्ष 2021 में भारत में कुल बीमा पैठ 4.2% थी।**

भारत में गेमिंग क्षेत्रक

- 568 मिलियन यूज़र्स के साथ, **भारत आधिकारिक तौर पर सबसे बड़ा गेमिंग बाजार** है। वैश्विक स्तर पर **हर पांच ऑनलाइन गेमर्स में से एक भारत से** है।
- भारतीय गेमिंग बाजार के **2028 तक 6 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद** है।
- 2015 में भारतीय गेमिंग कंपनियों की संख्या **25 थी, जो 2023 में बढ़कर 1400 से अधिक** हो गई है।

अवसंरचना

लॉजिस्टिक क्षेत्रक

- भारत की लॉजिस्टिक लागत **2021-22** में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के **7.8-8.9%** के बीच आंकी गई है।
- विश्व बैंक के **लॉजिस्टिक परसेप्शन इंडेक्स, 2023** में 139 देशों की सूची में **भारत 38वें स्थान** पर है। **2018 में भारत 44वें** स्थान पर था। इस तरह भारत की **रैंकिंग में 6 स्थानों का सुधार** हुआ है।
- केंद्र सरकार ने **35 मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क्स की स्थापना** की योजना बनाई है। इसके लिए **6.2 बिलियन डॉलर की राशि निवेश** की जाएगी।
- राष्ट्रीय रेल योजना का लक्ष्य **कुल माल ढुलाई में रेल से ढुलाई की हिस्सेदारी को 27% (2019) से बढ़ाकर 45% (2030) करना है।**

परिवहन

- भारत में **दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क** है। यह कुल **66.7 लाख कि.मी.** में फैला हुआ है।
- सड़क परिवहन भारत के कुल **पैसेंजर यातायात का लगभग 87% तथा माल ढुलाई का 60%** से अधिक भाग वहन करता है।
- देश के कुल सड़क नेटवर्क का **2.2%** राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। भारत के कुल यातायात में से **40%** राष्ट्रीय राजमार्गों से किया जाता है।

- भारत, दुनिया में **कुल वाहन संख्या का 1%,** लेकिन सड़क दुर्घटनाओं और मृत्यु के 11% के लिए जिम्मेदार है। इसकी लागत सकल घरेलू उत्पाद का 3-5% है।

भारतीय रेलवे

- भारतीय रेलवे **यू.एस.ए., रूस और चीन** के बाद विश्व का **चौथा सबसे बड़ा** रेलवे नेटवर्क है।
- भारत में **7,335 स्टेशन हैं और रेल ट्रैक की कुल लंबाई 1.26 लाख कि.मी.** है।
- प्रतिदिन यात्रा करने वाले **यात्रियों की संख्या 24 मिलियन है और प्रतिदिन 204 मिलियन टन माल की ढुलाई** होती है।
- भारत, वैश्विक स्तर पर **यात्री और माल परिवहन में क्रमशः पहले एवं चौथे स्थान** पर है।
- भारतीय रेलवे भारत में एकल **सबसे बड़ा नियोक्ता** है, जो लगभग **1.3 मिलियन** लोगों को रोजगार देता है।

पत्तन क्षेत्रक

- भारतीय पत्तनों पर **टर्नअराउंड समय 94 घंटे (वित्त वर्ष 2013-14) से घटकर 52 घंटे (वित्त वर्ष 2023-24)** हो गया है।
- भारतीय पत्तनों पर कंटेनर यातायात में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। यह **555 मिलियन टन (वित्त वर्ष 2013-14) से बढ़कर 796 मिलियन टन (वित्त वर्ष 2023-24)** हो गया है।
- पिछले कुछ वर्षों से महापत्तनों पर कार्गो हैंडलिंग में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। **पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष 10% की वृद्धि** दर्ज की गई है।
- भारत के महापत्तनों का ऑपरेटिंग अनुपात 2020-21 के 53 रुपये से घटकर **48 रुपये** हो गया है। इसका मतलब है कि प्रत्येक 100 रुपये की कमाई पर 48 रुपये खर्च किए गए।

नागरिक उड्डयन

- संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया का **तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार** बन गया है।
- 2009-2019 के बीच, भारत का **वैश्विक पैसेंजर ट्रैफिक वृद्धि में 5.9% का योगदान** रहा था।
- कुल मिलाकर, विमानन उद्योग भारत के सकल घरेलू उत्पाद में सालाना **35 बिलियन डॉलर** का योगदान देता है और **7 मिलियन लोगों को रोजगार** प्रदान करता है।
- ICAO की वैश्विक विमानन सुरक्षा रैंकिंग में अपनी स्थिति सुधारकर भारत **48वें स्थान** पर पहुंच गया है।

खनन एवं ऊर्जा

खान एवं खनिज

- भारतीय GVA में खनन क्षेत्रक का योगदान लगभग 2% है।
- भारत खनिजों के मामलों में काफी हद तक आत्मनिर्भर रहा है। इसके अंतर्गत उद्योगों को आपूर्ति किए जाने वाले प्राथमिक कच्चे माल जैसे कि लौह और इस्पात, एल्यूमीनियम आदि शामिल हैं।
- भारत में कायनाइट, मैग्नेसाइट, रॉक फॉस्फेट, मैंगनीज अयस्क आदि जैसे खनिज नहीं पाए जाते हैं।
- भारतीय खनन उद्योग में छोटे स्तर पर परिचालन वाली खदानों की हिस्सेदारी सर्वाधिक है।
- खनिज उत्पादन के **मूल्य की दृष्टि से लगभग 97 प्रतिशत हिस्से का उत्पादन 7 राज्यों में** होता है।
- भारत के **स्पष्ट भू-वैज्ञानिक क्षमता (OGP) क्षेत्र** के तहत अब तक केवल 10% हिस्से की ही खोज की गई है।

कोयला, तेल एवं गैस क्षेत्रक

- भारत की कुल एनर्जी मिक्स के **50%** हिस्से की पूर्ति कोयले से होती है।
- भारत की कुल एनर्जी मिक्स के **28%** हिस्से की पूर्ति तेल से होती है।
- भारत में 2023 में **997 मिलियन टन** कोयले का उत्पादन हुआ।
- भारत प्रतिदिन 4.9 मिलियन बैरल तेल की खपत के साथ **तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश** है।
- वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की ऊर्जा आवश्यकता का 87.7% हिस्सा आयात से पूरा हुआ।
- समग्र रूप से, भारत की **प्राथमिक ऊर्जा मांग वर्ष 2040** तक लगभग **दोगुनी होकर 1,123 मिलियन टन** क्रूड आयल के बराबर होने की संभावना है।

विद्युत क्षेत्रक

- भारत विश्व में विद्युत का **तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता** देश है।
- **मई, 2024 तक भारत की कुल** स्थापित विद्युत क्षमता **444 गीगावाट** थी, जिसमें 193 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और 217 गीगावाट कोयला आधारित विद्युत क्षमता शामिल है।
- नवीकरणीय ऊर्जा में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी 84 गीगावाट, पवन ऊर्जा की 46 गीगावाट, बायोमास की 10.9 गीगावाट और जलविद्युत की 46.9 गीगावाट है।
- भारत की प्रति व्यक्ति विद्युत खपत **1,255 किलोवाट प्रति घंटा** (kWh) है, जबकि इसका वैश्विक औसत 3,260 kWh है।
- **2000-2023** के बीच विद्युत क्षेत्रक में **FDI बढ़कर 18.17 अरब डॉलर** तक पहुंच गया।
- विद्युत वितरण कंपनियां घाटे में हैं। 2022-23 में इनका घाटा लगभग 68,832 करोड़ रुपये रहा।

नवाचार एवं उद्यमशीलता

नवाचार

- वैश्विक नवाचार सूचकांक (GII) में भारत 132 अर्थव्यवस्थाओं में से **40वें स्थान पर** है।
- भारत की स्थिति 55 अर्थव्यवस्थाओं में से **42** पर बनी हुई है, जो अपरिवर्तित है।
- **पेटेंट कार्यालय द्वारा 1 लाख से अधिक पेटेंट प्रदान किए गए (मार्च, 2023 से मार्च, 2024 तक)।**
- **दुनिया में रेजिडेंट पेटेंट फाइलिंग गतिविधि के मामले में 7वां स्थान (WIPO रिपोर्ट 2022)।**
- भारत अभी भी नवाचार के मामले में पीछे है। **अनुसंधान एवं विकास पर भारत का सकल व्यय उसके सकल घरेलू उत्पाद का 0.66% है। संयुक्त राज्य अमेरिका में यह 2.8%, इज़राइल में 4.3% और दक्षिण कोरिया में 4.2% है।**

स्टार्टअप इकोसिस्टम

- भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम वाला देश है। भारत में **100 से अधिक यूनिकॉर्न सहित 98,000** से अधिक स्टार्ट-अप्स हैं।
- **टेक स्टार्ट-अप** के मामले में भारत में **विश्व का दूसरा सबसे बड़ा इकोसिस्टम है।**
- लगभग 40% स्टार्ट-अप्स **टियर-II और टियर-III शहरों** से में स्थित हैं।
- कुल मिलाकर स्टार्ट-अप वर्ष-दर-वर्ष **15% की औसत वृद्धि दर** से बढ़ रहे हैं।
- देश में लगभग 47% मान्यता प्राप्त स्टार्टअप में कम-से-कम एक महिला निदेशक हैं।

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

OUR ACHIEVEMENTS

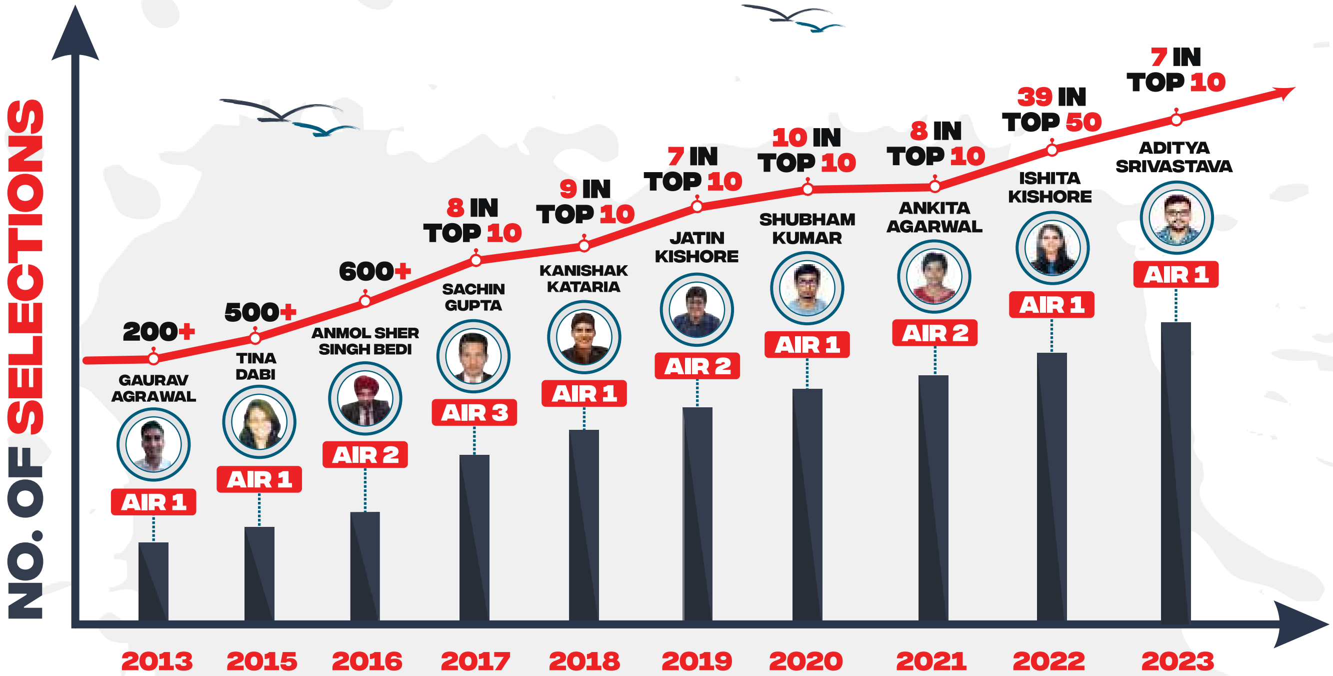

LIVE/ONLINE Classes Available

www.visionias.in

Foundation Course
GENERAL STUDIES
PRELIMS cum MAINS 2025

DELHI: 29 JULY, 1 PM | 30 JULY, 9 AM | 31 JULY, 5 PM

GTB Nagar Metro (Mukherjee Nagar):
19 JULY, 8:30 AM | 23 JULY, 5:30 PM

AHMEDABAD: 12 JULY | BENGALURU: 12 & 18 JULY | BHOPAL: 18 JULY | CHANDIGARH: 18 JULY

HYDERABAD: 24 JULY | JAIPUR: 30 JULY | JODHPUR: 11 JULY | LUCKNOW: 17 JULY | PUNE: 5 JULY

फाउंडेशन कोर्स सामान्य अध्ययन 2025

- प्रारंभिक, मुख्य परीक्षा और निबंध के लिए महत्वपूर्ण सभी टॉपिक का विस्तृत कवरेज

DELHI: 18 जुलाई, 1 PM | BHOPAL: 23 जुलाई | LUCKNOW: 18 जुलाई | JAIPUR: 25 जुलाई | JODHPUR: 11 जुलाई

Scan the QR CODE to download VISION IAS App. Join official telegram group for daily MCQs & other updates.

/visionias.upsc
/c/VisionIASdelhi
/c/VisionIASdelhi
/t.me/s/VisionIAS_UPSC

DELHI: HEAD OFFICE: 1st floor, Apsara Arcade, Near Gate-7 Karol Bagh Metro Station, 1/8 b, Pusa Road, Karol Bagh, Delhi – 110005 | CONTACT: 8468022022, 9019066066

AHMEDABAD | BENGALURU | BHOPAL | CHANDIGARH | GUWAHATI | HYDERABAD | JAIPUR | JODHPUR | LUCKNOW | PRAYAGRAJ | PUNE | RANCHI

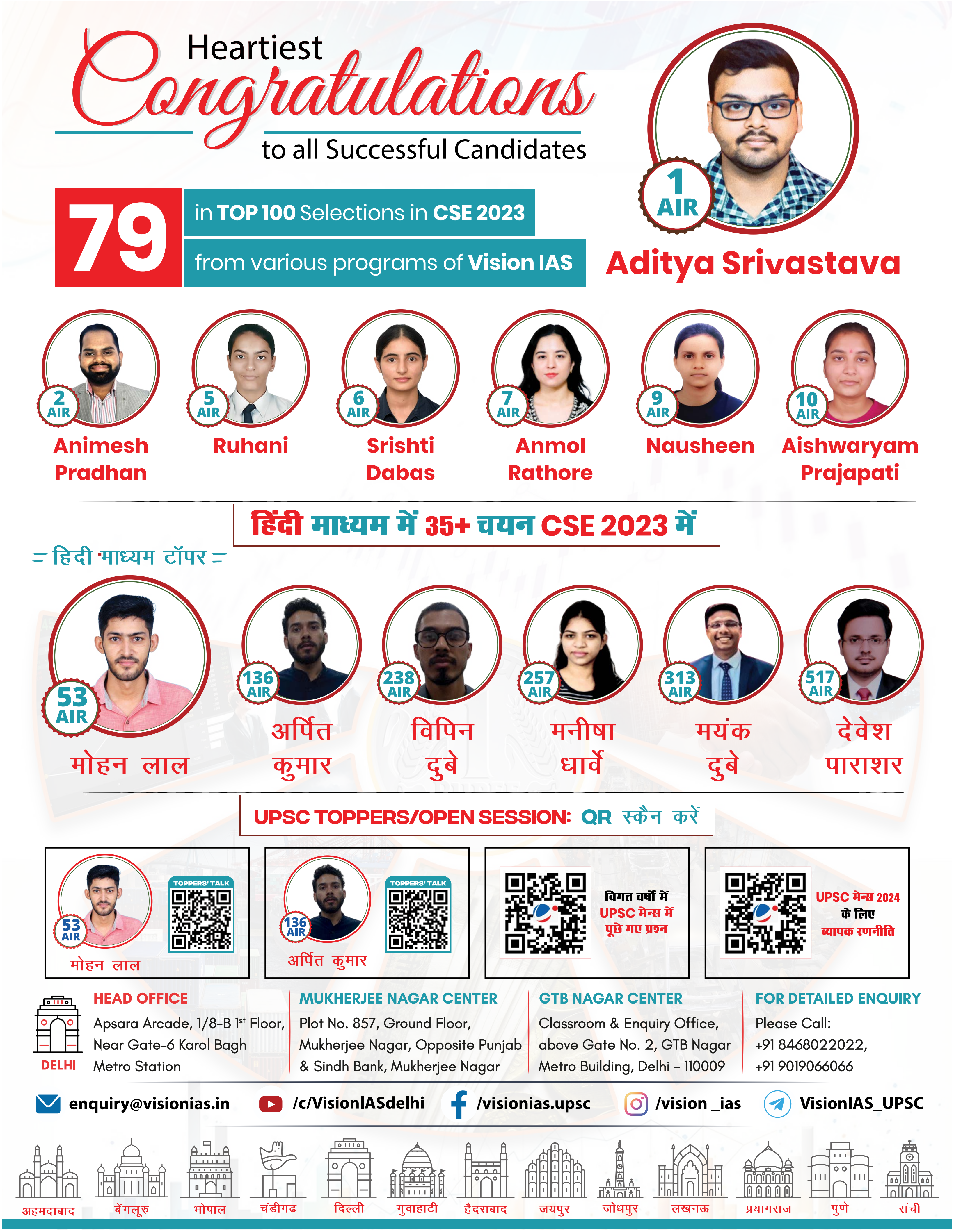
Heartiest
Congratulations
to all Successful Candidates
79
in TOP 100 Selections in CSE 2023
from various programs of Vision IAS
1 AIR
Aditya Srivastava
2 AIR
Animesh Pradhan
5 AIR
Ruhani
6 AIR
Srishti Dabas
7 AIR
Anmol Rathore
9 AIR
Nausheen
10 AIR
Aishwaryam Prajapati
हिंदी माध्यम में 35+ चयन CSE 2023 में
हिंदी माध्यम टॉपर
53 AIR
मोहन लाल
136 AIR
अर्पित कुमार
238 AIR
विपिन दुबे
257 AIR
मनीषा धार्वे
313 AIR
मयंक दुबे
517 AIR
देवेश पाराशर
UPSC TOPPERS/OPEN SESSION: QR स्कैन करें
TOPPERS' TALK
53 AIR
मोहन लाल
TOPPERS' TALK
136 AIR
अर्पित कुमार
विगत वर्षों में UPSC मेन्स में पूछे गए प्रश्न
UPSC मेन्स 2024 के लिए व्यापक रणनीति
HEAD OFFICE
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station
DELHI
MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar
GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009
FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call: +91 8468022022, +91 9019066066
enquiry@visionias.in
/c/VisionIASdelhi
/visionias.upsc
/vision _ias
VisionIAS_UPSC
अहमदाबाद
बेंगलूरु
भोपाल
चंडीगढ़
दिल्ली
गुवाहाटी
हैदराबाद
जयपुर
जोधपुर
लखनऊ
प्रयागराज
पुणे
रांची